১৫

বাহির হলেম আমি আপন ভিতর হতে,
নীল আকাশে পাড়ি দেব খ্যাপা হাওয়ার স্রোতে ॥
আমের মুকুল ফুটে ফুটে যখন পড়ে ঝ'রে ঝ'রে
মাটির আঁচল ভ'রে ভ'রে—
ঝরাই আমার মনের কথা ভরা ফাগুন-চোতে ॥
কোথা তুই প্রাণের দোসর বেড়াস ঘুরি ঘুরি—
বনবীথির আলোছায়ায় করিস লুকোচুরি।
আমার একলা বাঁশি পাগলামি তার পাঠায় দিগন্তরে
তোমার গানের তরে—
কবে বসন্তেরে জাগিয়ে দেব আমাতে আর তোতে ॥[১]

II পা -র্সা | র্সা -ণা ণা -ধা I পধা -পা | মা -া গা -া I
বা • হি র্ হ • লে ম্ আ • মি •

I মা -া | পা -া পা -া I ধা -পা | মা -া গা -মা I
আ • প ন্ ভি • ত র্ হ • তে •

[না]
I { পা -না | না -া না -া I ধনা -া | (-া -া -া -পা) } I না -া না -র্সা I
নী ল্ আ • কা • শে • • • • • পা • ড়ি •

I না -া | র্সা -া -া -া I না -া | র্সা -া ণা -া I
দে • ব •, • • খ্যা • পা • হা ও

I ধা -া | পা -া মা -া II
য়া র্ স্রো • তে •

II { মা -গা | মা -গা ণা -া I ধা -া | ধা -া না -া I
আ • মে র্ মু • কু ল্ ফু • টে •

I না -া | র্সা -া -া -া I র্সা -র্মা | র্মা -া র্গা -র্মা I
ফু • টে • • • য • খ ন্ প •

I র্রা -র্জ্ঞা | র্রা -া র্সা -র্রা I না -া | র্সা -া -া -া I
ড়ে • ঝ' • রে • ঝ' • রে • • •

I না -া | র্সা -র্রা র্সা -র্রা I র্সা -র্রা | র্রর্সা -া পা -ধা I
মা • টি র্ আঁ • চ ল্ ভ' • রে •

I পধা -পা | পা -া -া -া } I সা -া | রা -া রা -া I
ভ' • রে • • • ঝ • রা ই আ •

I গা -া | -া -া -া -া I রা -া | গা -া গা -া I
মা • • • • র্ ম • নে র্ ক •

I মা -া | -া -া -া -া I পা -ধা | পা -র্সা র্সণা -া I
থা • • • • • ভ • রা • ফা• •

I ণা -ধা | পধা -পা মপা -মা II
গু ন্ চো• • ভে• •

II সা -া | রা -া রা -া I রা -া | গা -া গা -া I
কো • থা • তু ই প্রা • ণে র্ দো •

I মা -া | -া -া -া -া I মা -া | মা -পা পা -া I
ল • • • • র্ বে • ড়া র্ ঘু •

I -া -া | -া পা -ধা -া I পা -া | -া -া -ধা -পা I
· · · রি · · ঘু · · · · ·

I ধা -া | -া -া -া -া I ধা -া | ধা -া ধা -া I
রি · · · · · ব ৹ ন · বী ·

I ধা -না | না -া র্সা -র্রা I না -া | -া র্সা -া -া I
থি র্ আ · লো · ছা · · য়া · য়্

I না -া | র্সা -র্রা র্সা -ণা I পধা -পা | মা -গা মা -া I
ক · রি স্ সু ৹ কো · চু · রি ·

I -া -া | -া -া মা গা I মা -া | মা -পা পা -ধা I
· · · · আ মার্ এ ক্ লা · বাঁ ·

I ধা -া | -া -া -া -না I র্সা -র্মা | র্মা -া র্গা -া I
শি · · · · · পা গ্ লা · মি ·

I র্গা -র্মা | -র্রা -া -া -র্সা I না -া | র্সা -া না -া I
ভা · · · · র্ পা · ঠা র্ দি ·

I র্সা -র্রা | না -া র্সা -া I র্সা -র্রা | র্নর্সা -পা পা -ধা I
গ র্ ভ · রে · ভো · মা র্ গা ·

I পধা -পা | মপা -মা মা -গা I গা -া | মা -া গা -া I
নে র্ ভ · · 'রে · ক · বে · ব ·

I মা -া | গা -া মা -া I পা -া | ধা -া না -া I
স ন তে · রে · আ · পি · রে ·

I না -া | র্সা -া -া -া I না -া | র্সা -া পা -া I

দে • র • • • আ • মা • তে •

I পধা -পা | মপা -মা গা -মা II II

আ ব্ তো৹ • তে •

১ ডাকঘর নাটকের গান। রবীন্দ্রনাথ ১৩৪৬ বঙ্গাব্দে ডাকঘর অভিনয়ের নূতন পরিকল্পনা করেন। এজন্য কয়েকটি নূতন গান রচনা করেন। গীতবিতান, তৃতীয় খণ্ড (আশ্বিন ১৩৫৭ বা পরবর্তী মুদ্রণ) দ্রষ্টব্য।